बरेली में कांग्रेस की मैराथन में... 8 | अखिलेश ने चला परशुराम के... 3 | यूपी में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार... 7

सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 7 ● अंक: 328 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 4 जनवरी, 2022
मूल्य ₹ 3/-

और क्या कभी यह जाना गया है कि प्रेम स्वयं अपनी गहराई जानता है जब तक कि बिछड़ने का वक्त ना आये?
-खलील जिब्रान

दिल्ली से आगरा तक आयकर के ताबड़तोड़ छापे, हड़कंप

एसीई ग्रुप व तीन अन्य कारोबारियों के ठिकानों पर पहुंची टीम

» अजय चौधरी हैं एसीई कंपनी के प्रमोटर, दस्तावेज खंगाल रही हैं टीमें

» चुनाव से पहले प्रदेश में लगातार चल रही है छापेमारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी विधान सभा चुनाव से पहले आयकर विभाग की टीमें बेहद सक्रिय हो गयी हैं। आज टीमों ने एसीई ग्रुप के प्रमोटर अजय चौधरी के चार ठिकानों और आगरा के तीन कारोबारियों के यहां छापेमारी की। टीमें कारोबारियों के ठिकानों को खंगाल रही हैं। आयकर टीम की कार्रवाई से कारोबारियों में हड़कंप मच गया है।

आयकर विभाग की टीम ने आज एसीई ग्रुप की कंपनियों और उसके प्रमोटर अजय चौधरी के दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा और आगरा स्थित ठिकानों पर छापेमारी की। अजय चौधरी को सपा प्रमुख अखिलेश यादव का करीबी बताया जा रहा है। कानपुर और कन्नौज के बाद आयकर विभाग ने आगरा में भी ताबड़तोड़ छापेमारी की। आगरा के भरतपुर हाउस कॉलोनी में शू एक्सपोर्ट्स विजय आहूजा के घर और मानसी चंद्रा की जूता फैक्ट्री पर छापा पड़ा है। आगरा के भरतपुर हाउस कॉलोनी में शू एक्सपोर्ट्स विजय आहूजा के घर में इनकम टैक्स टीम के करीब आठ से 10 अधिकारी मौजूद हैं। वहीं मानसी चंद्रा के जूता फैक्ट्री पर भी आयकर विभाग की टीम के साथ बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी भी मौजूद हैं। वहीं कारोबारी मनू अलघ के यहां भी टीम पहुंची है। टीम ने आज सुबह चंद्रा कंपोनेंट, आहूजा इंटरनेशनल, नोवा शूज पर कार्रवाई शुरू की है। जैसे ही इन काराबोरियों के यहां आयकर विभाग की टीमें पहुंचीं, इलाके में हड़कंप मच गया। फिलहाल, आयकर विभाग की टीम की ओर से अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। टीम ने बैंक खातों को सील कर दिया है। वहीं सूत्रों के मुताबिक एसीई ग्रुप के चीफ अजय चौधरी बहुत दिनों से आयकर विभाग के राडार पर थे।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

छापेमारी को लेकर सपा ने भाजपा पर साधा था निशाना

पीयूष जैन के यहां पड़ी छापेमारी के दौरान करोड़ों रुपये और सोने की बरामदगी को लेकर सपा ने भाजपा पर निशाना साधा था। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने पूछा था कि सरकार बताए कि नोटबंदी के बाद भी एक व्यक्ति के यहां इतना पैसा कहां से आया।

पीयूष जैन के यहां भी हुई थी छापेमारी

इससे पहले जीएसटी टीम ने कन्नौज के इत्र कारोबारी पीयूष जैन और आयकर टीम ने पुष्पराज जैन उर्फ पंपी जैन के ठिकानों पर भी छापेमारी की थी। पुष्पराज जैन समाजवादी पार्टी के एमएलसी हैं। अभी तक पुष्पराज जैन के घर से बरामदगी को लेकर कोई सूचना नहीं आई है। वहीं बीते 6 दिनों से जारी रेड में पीयूष जैन के घर से जीएसटी टीम को 197 करोड़ रुपये कैश बरामद हुए थे, वहीं 23 किलो सोना मिला था। पीयूष जैन पर कर चोरी का आरोप है और अब उसे 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

विधान सभा चुनाव से पहले बढ़ रहा सपा का कुनबा

» शामिल हो रहे भाजपा व अन्य दलों के नेता

» देश बचाओ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने थामा सपा का दामन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव से पहले सपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में विश्वास करते हुए भाजपा और बसपा समेत विभिन्न दलों के नेता और विधायक लगातार पार्टी में शामिल हो रहे हैं। आज देश बचाओ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र पंवार और भाजपा नेता जय प्रकाश पांडेय ने सपा का दामन थामा।

सपा के आधिकारिक ट्वीटर के मुताबिक आज सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में आस्था जताते हुए देश बचाओ पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जितेंद्र पंवार और भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता जय प्रकाश पांडेय अपने साथियों के साथ सपा में हुए शामिल हुए। इसके पहले सोमवार को भाजपा की विधायक माधुरी वर्मा और बसपा के पूर्व सांसद राकेश पांडेय सहित विभिन्न दलों के नेता समर्थकों समेत सपा में शामिल हुए थे।

सीएम केजरीवाल और सांसद मनोज तिवारी कोरोना संक्रमित, दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू

» पाबंदियों को लेकर डीडीएमए की बैठक में लिया गया फैसला लगातार बढ़ रहे केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली में कोरोना संक्रमण डराने लगा हैं। आज आम आदमी पार्टी के मुखिया एवं दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल और भाजपा सांसद मनोज तिवारी कोरोना संक्रमित हो गए है। वहीं बढ़ते संक्रमण को देखते हुए दिल्ली में वीकेंड कर्फ्यू लागू हो गया है।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने ट्वीट किया, मैं कोरोना संक्रमित हो गया हूं। संक्रमण के हल्के लक्षण हैं। जिसे देखते हुए घर में खुद को आइसोलेट कर लिया है। जो लोग पिछले कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आए हैं, वे खुद को आइसोलेट करें और जांच करवाएं। केजरीवाल ने पार्टी के प्रचार के लिए गोवा और पंजाब जैसे चुनावी राज्यों में कई दौरे किए हैं। वहीं भाजपा सांसद मनोज तिवारी भी कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। संक्रमण को देखते हुए उपराज्यपाल अनिल बैजल ने डीडीएमए की बैठक बुलाई थी। बैठक में संक्रमण को देखते हुए कई पाबंदियों पर चर्चा की गई। इसके तहत अब सरकारी कार्यालयों में अनिवार्य सेवाओं को छोड़कर वर्क फ्रॉम होम लागू होगा। केवल अनिवार्य सेवाओं के कार्यालय खुले रहेंगे। दिल्ली में प्राइवेट कार्यालयों में 50 प्रतिशत स्टाफ को काम करने की इजाजत होगी। राज्य में शनिवार और रविवार को वीकेंड कर्फ्यू लागू रहेगा। शादी समारोह में बीस लोग शामिल हो सकेंगे।

सपा सरकार ही ला सकती है रामराज्य : अखिलेश

भगवान कृष्ण रोज सपने में आकर कहते हैं यूपी में बनेगी सपा सरकार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की राजनीति में भगवान कृष्ण की एंट्री हुई है। दरअसल, अखिलेश यादव ने दावा किया है कि भगवान कृष्ण रोज उनके सपने में आते हैं और कहते हैं कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है और वही रामराज्य भी लाएगी। दरअसल, लखनऊ में पार्टी दफ्तर में एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि भगवान कृष्ण रोज उनके सपने में आते हैं।

दरअसल, बीजेपी के राज्यसभा सांसद हरनाथ सिंह यादव ने एक पत्र लिखकर योगी आदित्यनाथ को मथुरा से चुनाव लड़ने की की मांग की है और कहा है कि या भगवान कृष्ण की प्रेरणा से वह खत लिख रहे हैं। जब यह सवाल अखिलेश यादव से पूछा गया तो हल्के-फुल्के अंदाज में अखिलेश यादव ने भी कह डाला कि मेरे भी सपने में भगवान कृष्ण आते हैं और कहते हैं कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने जा रही है जो रामराज्य लाएगी। इससे पहले अखिलेश यादव ने लखनऊ के गोसाईगंज में भगवान परशुराम की मूर्ति का अनावरण किया था। यहां उन्होंने पूजा अर्चना की थी। इससे पहले अखिलेश यह भी कह चुके हैं कि अगर उनकी सरकार होती तो अब तक राम मंदिर बन गया होता। अब यह देखना होगा कि अखिलेश यादव के रामराज्य और राम मंदिर बनाने की बात पर बीजेपी किस तरह से पलटवार करती है।

भाजपा से अच्छा झूठ कोई नहीं बोल सकता

सुभासपा के अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि प्रदेश में नफरत की राजनीति की जा रही है, इसे खत्म करेंगे। पत्रकारों को सही खबर लिखने पर जेल भेजा जा रहा है। इस बार भाजपा को प्रदेश से उखाड़ फेंकेंगे। सपा की सरकार बनते ही तीन सौ यूनिट बिजली फ्री देंगे। राजभर ने कहा भाजपा से अच्छा झूठ कोई नहीं बोल सकता। वे विज्ञापन में झूठ बोल रहे हैं। चीन के एयरपोर्ट की तस्वीर लगा दी। इस बार जनता प्रदेश से भाजपा का सफाया कर देगी। सपा सरकार बनने पर आंदोलन के दौरान मृत किसानों के परिजनों को 25-25 लाख देंगे और उनके सम्मान में स्मारक बनवाएंगे। उन्होंने कहा कि सबसे अधिक माफिया भाजपा में हैं। जब पूरी तरह समाजवाद लागू हो जाएगा तो रामराज आ जाएगा।

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर का फरमान, सचिवालय में चुनावी पोस्टर पर रोक

उपलब्धियां दिखाएं, विभागों का निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सचिवालय परिसर में चुनाव संबंधी पोस्टर दीवार, मेज, अलमारी, लिफ्ट आदि में न चिपकाने तथा विभागों की उपलब्धियों के पोस्टर अनुभागों की दीवारों पर लगवाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सचिवालय कैंटीन में फीडबैक रजिस्टर रखने का निर्देश दिया है। मुख्य सचिव मिश्रा ने लोक भवन व सचिवालय स्थित कार्यालयों, विभिन्न अनुभागों आदि का निरीक्षण किया। उन्होंने सचिवालय की कैंटीन में स्वच्छता का विशेष ध्यान देने व फीडबैक रजिस्टर रखने का निर्देश दिया ताकि लोग फीडबैक दे सकें।

उन्होंने पत्रावलियों व अभिलेखों को सुव्यवस्थित ढंग से रखने, जिन पत्रावलियों का डिजिटाइजेशन नहीं हुआ है, उन्हें अनिवार्य व समयबद्ध डिजिटाइज्ड कराने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि जो खराब उपकरण हैं, उन्हें या तो ठीक कराया जाए, ठीक न होने की स्थिति में उन्हें वापस जमा करा दिया जाए। उन्होंने टॉयलेट्स की विशेष सफाई पर बल दिया और भवनों में स्थापित अग्नि शमन उपकरणों का निरीक्षण कर नियमित अंतराल पर चेकिंग के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने न्याय अनुभाग के निरीक्षण के दौरान अनुभाग के स्टोर रूम की क्षमता बढ़ाने तथा निस्तारित फाइलों को स्टोर रूम में रखने का निर्देश दिया।

यूपी सरकार के नौकरी के ऑफर से दुखी ओलिंपियन ललित

काशी के लाल ने कहा-प्रदेश और देश का मान बढ़ाया तो क्यों बनूं ओएसडी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली हॉकी टीम के सदस्य और अर्जुन अवार्डी ललित कुमार उपाध्याय उत्तर प्रदेश सरकार के नौकरी से ऑफर दुखी हैं। उन्होंने कहा कि जहां तक मुझे जानकारी है कि उत्तर प्रदेश में अलग-अलग विभागों में ओएसडी के पद पर नौकरी सरकार मृतक आश्रितों को या फिर अन्य लोगों को अनुकंपा के आधार पर देती है। वाराणसी के शिवपुर क्षेत्र के भगतपुर गांव निवासी ललित ने कहा कि मैं कोई मृतक आश्रित नहीं हूं।

हमने तो प्रदेश और देश का मान बढ़ाया है। पुलिस में ही नौकरी देनी है तो राजपत्रित अधिकारी बनाएं या फिर किसी अन्य विभाग में सम्मानजनक नौकरी दें। ललित ने कहा कि नौकरी में पैसे के लिए नहीं करना चाहता हूं। मेरा उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश में हॉकी खेलने वाले नए लड़के प्रभावित हों। इस खेल का और प्रदेश व देश का मान बढ़े। इसलिए हमने पुलिस विभाग में अस्थायी ओएसडी की नौकरी स्वीकार नहीं की है। बाकी उत्तर प्रदेश सरकार जाने कि उसे अपने राज्य के ओलिंपियन के साथ कैसा बरताव करना है। ललित ने बताया कि टोक्यो ओलिंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के हमारे जितने भी साथी हैं उन सभी को उनके राज्यों की सरकार ने स्थायी राजपत्रित अधिकारी की नौकरी दी है।

अपनी ही सरकार के खिलाफ धरने पर बैठे बीजेपी विधायक

पीलीभीत। पीलीभीत जिले के बीसलपुर विधानसभा सीट से बीजेपी विधायक रामशरण वर्मा अपनी कार्यशैली के लिए हमेशा से चर्चा में रहे हैं। विधानसभा चुनाव के नजदीक आते ही उनकी चर्चा भी बढ़ गई है। उन्होंने अब अपने ही सरकार वह और अधिकारियों के ऊपर आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए हैं कि उनकी कहीं पर नहीं सुनी जा रही है। विधायक रामशरण वर्मा की 9 सूत्री मांगे हैं, जिसको लेकर वह धरने पर बैठ गए। इसमें सबसे प्रमुख मांग आवारा पशुओं से किसानों को होने वाली क्षति से राहत देने की है। उन्होंने गांव-गांव गौशाला खुलवाने, आवारा पशुओं से किसानों को होने वाली क्षति का मुआवजा, गौशालाओं की क्षमता बढ़ाने, गौशालाओं में पशुओं के लिए चारे दाने और पानी की समुचित व्यवस्था, गौशाला भवनों में के निर्माण में कथित घोटाला, सरकारी जमीन पर वर्षों से काबिज रहने वाले लोगों को कब्जा मुक्त कराना, चीनी मिलों से बकाया मूल्य दिलवाना शामिल है। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों से आए बीजेपी के सैकड़ों समर्थक विधायक रामशरण वर्मा के साथ रामलीला मैदान पहुंचे और अपनी समस्या उठाते हुए बेमियादी धरने पर बैठ गए। धरने पर बैठे विधायक ने बताया कि जब तक मांगें पूरी नहीं होती, तब तक धरना जारी रहेगा। विधायक ने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले काफी समय से प्रशासनिक अधिकारी से समस्याओं के समाधान की मांग कर रहे थे लेकिन अधिकारी उनकी एक नहीं सुन रहे थे।

भाजपा सरकार की नीयत में खोट : राकेश टिकैत

एमएसपी, मुकदमे और मुआवजे पर किसान मुखर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। किसान आंदोलन के चलते तीन कृषि कानून रद हो गए। मगर एमएसपी पर अब तक कमेटी नहीं बनी। किसानों के मुकदमे वापस नहीं हुए और न ही उनकी मुआवजे की प्रक्रिया शुरू हुई। नतीजतन किसान फिर से मुखर हो रहे हैं। पंजाब में किसान संगठनों ने फिर से मोदी सरकार के खिलाफ नुक्कड़ बैठकें शुरू कर दी हैं। यूपी के किसान नेता भी रोजमर्रा की बैठकों में इन मुद्दों को दोहरा रहे हैं।

भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि भाजपा सरकार की नीयत में खोट नजर आ रहा है। अब तक पूरी तरह न तो मुकदमे वापस हुए और न ही एमएसपी पर कोई कमेटी बनी है। इसे लेकर 15 जनवरी को संयुक्त किसान मोर्चा की बैठक होगी, जिसमें महत्वपूर्ण निर्णय लिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस पर पिछले वर्ष 26 जनवरी की तर्ज पर किसान चाहता है कि इस बार भी वह अपने गांव की सड़कों पर ट्रैक्टर मार्च करे। किसान आंदोलन के दौरान भारत सरकार के संबंधित विभाग, एजेंसियों तथा दिल्ली सहित सभी संघ शासित क्षेत्र में आंदोलनकारियों और समर्थकों पर बनाए गए आंदोलन संबंधित केस भी तत्काल प्रभाव से वापस लेने की सहमति दी है। भारत सरकार अन्य राज्यों से भी अपील करेगी कि इन किसान आंदोलन से संबंधित केसों को वापस लेने की कार्रवाई वह भी शुरू करें।

बामुलाहिजा

कार्टून : हसन जैदी

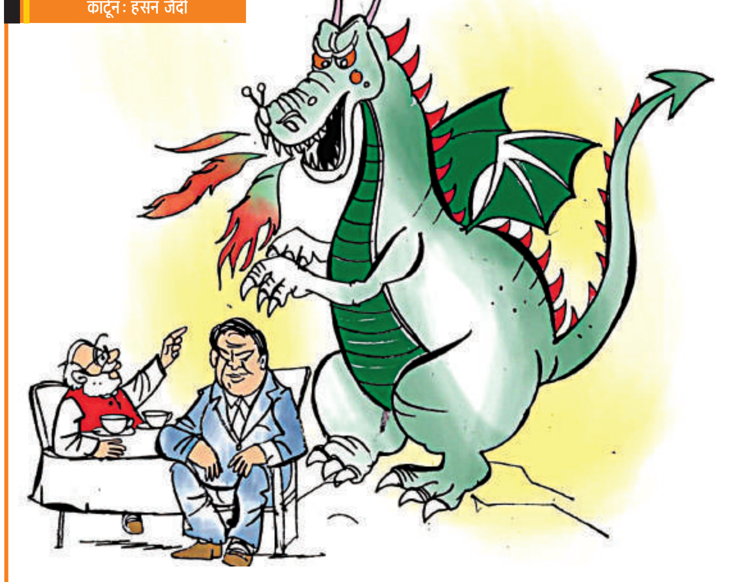

प्रियंका गांधी नौ जनवरी को श्रीनगर और अल्मोड़ा में करेंगी रैली

वर्तमान विधायकों के टिकट पर बन चुकी है सहमति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव एवं यूपी की प्रभारी प्रियंका गांधी 9 जनवरी को दो जनसभाओं को संबोधित करेंगी। प्रियंका की यह सभाएं गढ़वाल में श्रीनगर और कुमाऊं में अल्मोड़ा में होंगी। जनसभाओं की तैयारियों के मद्देनजर बैठक बुलाई गई है। पार्टी महामंत्री संगठन मथुरा दत्त जोशी ने बताया कि कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रभारी प्रियंका गांधी का उत्तराखंड दौरा तय हो गया है।

वहीं दूसरी ओर चुनाव के लिए कांग्रेस उम्मीदवारों के नाम की घोषणा एक सप्ताह और टल गई है। अब पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी की श्रीनगर और अल्मोड़ा रैली के बाद ही स्क्रीनिंग कमेटी के सदस्य उम्मीदवारों के पैनल को अंतिम रूप देंगे, जिसके बाद केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में उस पर मुहर लगेगी। सोमवार को उत्तराखंड के सभी नेताओं का दिल्ली में जमावड़ा रहा। कांग्रेस के वॉर रूम में दोपहर के बाद स्क्रीनिंग कमेटी से जुड़े सभी नेता जुटे और विवाद वाले विधानसभा क्षेत्रों के दावेदारों से पर माथापच्ची की।

उत्तराखंड के लिए जारी किया थीम सॉन्ग

कांग्रेस ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए थीम सॉन्ग जारी किया है। पार्टी इस गीत के जरिये राज्य से जुड़े सवालों पर भाजपा को घेरेगी। पार्टी का कहना है कि भाजपा को राज्य के लोगों को बताना चाहिए कि आखिर उन्होंने तीन मुख्यमंत्री बदलकर लोगों का काम क्यों बिगाड़ा है। कांग्रेस ने तीन मुख्यमंत्रियों को लेकर ही 'तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा' गीत तैयार किया है। प्रचार अभियान समिति के अध्यक्ष हरीश रावत ने कहा कि 2022 का चुनाव परिवर्तन का आह्वान करता है। उन्होंने कहा, डबल इंजन की सरकार में तीन बार मुख्यमंत्री बदलकर भाजपा ने खुद स्वीकार किया है कि डबल इंजन का मॉडल फेल रहा।

अखिलेश ने चला परशुराम के जरिए ब्राह्मणों को रिझाने का दांव

- कई दिग्गज ब्राह्मण नेताओं को पार्टी में किया शामिल
- भाजपा के कोर वोट बैंक में सेंध लगाने की कोशिश तेज
- परशुराम का फरसा उठाकर ब्राह्मणों को अपने पाले में करने की कवायद

दिव्यभान श्रीवास्तव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान सभा चुनाव से ठीक पहले बीजेपी से नाराज माने जा रहे ब्राह्मणों को सपा प्रमुख अखिलेश यादव साधने में जुट गए हैं। अखिलेश ने परशुराम के जरिए ब्राह्मणों को रिझाने का बड़ा दांव चला है। भाजपा के कोर वोटर को सहेजने के लिए राजधानी लखनऊ के गोसाईंगंज क्षेत्र में लगाई गई भगवान परशुराम मूर्ति और 68 फीट उंचे फरसे का सपा प्रमुख ने अनावरण ही नहीं किया, बल्कि इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच उन्होंने परशुराम की पूजा-अर्चना की और आशीर्वाद लेकर चुनावी बिगुल फूंका।

अखिलेश यादव ने एक हाथ में भगवान परशुराम का फरसा तो दूसरे हाथ में भगवान श्रीकृष्ण के सुदर्शन चक्र को लेकर ब्राह्मण समाज से सपा की सरकार बनाने का आह्वान किया। साथ ही पूर्वांचल के ठाकुर बाहुबलियों के नाम लिए बगैर इशारों-इशारों में बीजेपी की योगी सरकार को कठघरे में खड़ा करने से भी वे नहीं चूके। भगवान परशुराम के बहाने अखिलेश जिस तरह से सूबे में ठाकुर बनाम ब्राह्मण की सियासी बिसात बिछा रहे हैं, उससे बीजेपी कैसे पार पाएगी? अखिलेश यादव ने कहा कि सबसे ज्यादा अगर अपराधी और माफिया किसी पार्टी में हैं तो बीजेपी में हैं। हमारे बाबा मुख्यमंत्री अभी तक माफियाओं की सूची जारी नहीं कर पाए। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि बनारस, जौनपुर, चंदौली, गाजीपुर का माफिया कौन है? यही वजह है कि उत्तर-प्रदेश के कई ऐसी घटनाओं को मैं गिना सकता हूं, जिसमें सरकार और प्रशासन से कोई न्याय नहीं मिला।

2017 में ब्राह्मण समुदाय जिधर गया, उसी की जीत

यूपी की सियासत में ब्राह्मण की संख्या ठाकुर समाज के वोटों से ज्यादा है। 2017 के विधान सभा चुनाव में ब्राह्मण समुदाय ने बीजेपी को एकमुश्त होकर वोट दिए थे, लेकिन सत्ता में आने पर पार्टी ने योगी आदित्यनाथ को सीएम की कुर्सी सौंप दी थी। ऐसे में अब 2022 के चुनाव से ठीक पहले ब्राह्मण को साधने के लिए सपा से लेकर बसपा तक जुटी हैं तो बीजेपी भी उन्हें अपने साथ जोड़े रखने की कवायद में एक कमेटी गठित की है। ऐसे में देखना यह है कि ठाकुर बनाम ब्राह्मण की राजनीति में सियासी फायदा किसे मिलता है?

लखनऊ के गोसाईंगंज में परशुराम की मूर्ति का अनावरण

राजधानी के गोसाईंगंज में भगवान परशुराम की मूर्ति का अनावरण करने के बाद अखिलेश ने ब्राह्मण समाज से कहा कि सूबे में सपा की सरकार आने पर भगवान परशुराम जयंती की छुट्टी फिर बहाल की जाएगी, जिसे बीजेपी ने सरकार में आते ही खत्म कर दिया था। साथ ही उन्होंने कहा कि ब्राह्मण समाज भगवान परशुराम को पूजता है। इतिहास गवाह है कि ब्राह्मण समाज जिस पार्टी के साथ रहता है, उसकी सरकार बनती है और इस बार ब्राह्मणों ने तय कर लिया है कि समाजवादी पार्टी के साथ रहना है और सरकार बनानी है, तो हमारी सरकार बनने से कोई नहीं रोक सकता। सपा के नेता व पूर्व विधायक संतोष पाण्डेय कहते हैं कि सपा प्रमुख भगवान परशुराम के दर्शन करने यहां पहुंचे। ब्राह्मण समाज के साथ प्रदेश के सभी समाज बहुत खुश हैं कि लखनऊ में भगवान परशुराम का दिव्य मंदिर बना है। ऐसे में निश्चित तौर पर यूपी का ब्राह्मण समाज 2022 के चुनाव में सपा के पक्ष में एक तरफा वोट करेगा क्योंकि बीजेपी ने ब्राह्मणों को ठगने का काम किया है।

पूर्वांचल में ठाकुर बनाम ब्राह्मण की सियासत जगजाहिर

पूर्वांचल में ठाकुर बनाम ब्राह्मण की सियासत जगजाहिर है। ऐसे में योगी और बीजेपी को घेरने के लिए सपा और उनके सहयोगी दल इसे ही सबसे बड़े सियासी हथियार के तौर पर इस्तेमाल कर रहे हैं। माना जा सकता है कि इससे अखिलेश यादव ब्राह्मण वोट बैंक पर फोकस कर रहे हैं क्योंकि यूपी में करीब 12 फीसदी ब्राह्मण आबादी है। ब्राह्मणों को साधकर पूर्वांचल में यादव, मुस्लिम, ब्राह्मण, राजभर और अति पिछड़ी जातियों के सहारे सत्ता में वापसी करने का प्लान है।

बसपा सांसद के पिता राकेश पांडेय सपा में शामिल

विधान सभा चुनाव से पहले सपा का कुनबा लगातार बढ़ रहा है। सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व से प्रभावित विभिन्न दलों के नेता और विधायक रोजाना सपा में शामिल हो रहे हैं। इसी कड़ी में आज बसपा सांसद रितेश पांडेय के पिता और पूर्व सांसद राकेश पांडेय सपा में शामिल हो गए। राकेश पांडेय पहले बसपा से सांसद रह चुके हैं। वे सपा से विधायक भी रहे हैं जबकि उनके बेटे रितेश पांडेय अभी बसपा से अंबेडकर नगर से सांसद हैं। इसके अलावा कांति सिंह पूर्व एमएलसी, दुर्गेश मिश्रा पूर्व विधायक, बीरबल कश्यप राष्ट्रीय अध्यक्ष निषाद जनता पार्टी समेत विभिन्न दलों के नेताओं ने अपने समर्थकों के साथ साइकिल पर सवार हुए। इसके पहले रामअचल राजभर, लालजी वर्मा ने सपा का दामन थामा था। वहीं इससे पहले पूर्वांचल की सियासत में ब्राह्मणों के नेता बनकर उभरे बाहुबली हरिशंकर तिवारी के दोनों बेटों और भांजे को पार्टी में शामिल कराकर सपा ने बसपा को तगड़ा झटका दिया है।

पश्चिमी यूपी में भाजपा ने सेट किया विकास और ध्रुवीकरण का एजेंडा

- नाराज किसानों को भी रिझाने की भाजपा की जारी है कोशिश
- पूजा-अर्चना और पलायन का मुद्दा उठा ध्रुवीकरण का चला दांव
- पीएम मोदी की रैली के जरिए पश्चिम को साधने में जुटी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को देखते हुए भाजपा अपने तरकश से तमाम सियासी तीर छोड़ रही है। खुद पीएम मोदी ने इसकी कमान संभाल ली है। पूर्वांचल और बुंदेलखंड को साधने के बाद अब उन्होंने पश्चिमी यूपी पर नजरें गड़ा दी हैं। पिछले दिनों मेरठ में हुई रैली में पीएम ने एक ओर विकास तो दूसरी ओर ध्रुवीकरण का एजेंडा भी सेट किया। इसके साथ किसानों को रिझाने की भी कोशिश की।

कृषि कानूनों की वापसी और किसान आंदोलन के समाप्त होने के बाद पहली बार पीएम मोदी ने पश्चिमी यूपी पहुंचे। यहां मेरठ में रैली के जरिए किसानों, खासकर गन्ना किसानों से संवाद स्थापित करने की कोशिश की।

उन्होंने न केवल चौधरी चरण सिंह को याद किया बल्कि प्रदेश सरकार द्वारा गन्ना किसानों के लिए हुए कामों को गिनाया। इसके साथ-साथ उन्होंने कृषि इन्फ्रास्ट्रक्टर और फूड प्रोसेसिंग का हवाला भी दिया। पश्चिमी यूपी में लड़कियों से छेड़छाड़ और अपराधियों के डर से पलायन जैसे मुद्दे के जरिए ध्रुवीकरण को भी धार दी। यही भाजपा की कामयाबी का आधार बनते हैं। शाहजहांपुर में गंगा एक्सप्रेस वे के शिलान्यास में पिछले महीने पीएम मोदी ने सोतीगंज में चोरी के वाहनों के कमेले को भी जोड़ दिया था। यही नहीं उन्होंने पहले की सरकारों पर जमकर निशाना साधा। प्रधानमंत्री ने 1857 की पहली जंग-ए- आजादी के उद्गम स्थल बाबा औघड़नाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। अयोध्या में राम मंदिर निर्माण, काशी में बाबा विश्वनाथ धाम के लोकार्पण की कड़ी में औघड़नाथ मंदिर में भगवान आशुतोष की पूजा-अर्चना कर उन्होंने एक बार फिर जनता तक हिंदुत्व का संदेश पहुंचाने की कोशिश की।

युवाओं पर भी नजर

मेरठ की क्रांति भूमि से पीएम ने युवाओं को लुभाया। उन्होंने कहा, 21वीं सदी का दायित्व युवाओं के हाथों है। वे बढ़ेंगे तो देश बढ़ेगा। यूपी सरकार युवाओं को रिकॉर्ड सरकारी नौकरियां दे रही है। विद्यार्थियों को टैबलेट-स्मार्टफोन देने का भी अभियान शुरू किया है। उन्होंने खेल, खिलाड़ियों पर खास जोर दिया। गौरतलब है कि पश्चिमी यूपी में गांव-गांव में खेलों के प्रति उत्साह और जुड़ाव है।

प्रतीकों का सहारा

प्रतीकों के जरिए पीएम मोदी ने लोगों को साधते दिखे। उन्होंने कहा कि मेरठ एक शहर नहीं, हमारी संस्कृति और सामर्थ्य का केंद्र है। महाभारत काल से लेकर जैन तीर्थंकरों और पंज प्यारे भाई धर्म सिंह तक से मेरठ के जुड़ाव का जिक्र कर हिंदुओं के साथ ही जैन और सिखों को भी संदेश दिया।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

महामारी पर करना होगा डबल अटैक

“ एक बार फिर कोरोना ने दुनिया भर में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के साथ देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। एक दिन में करीब 34 हजार लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। वहीं तमाम हिदायतों और निर्देशों के बावजूद सार्वजनिक स्थलों और बाजारों में लापरवाही जारी है।

एक बार फिर कोरोना ने दुनिया भर में कहर बरपाना शुरू कर दिया है। नए वेरिएंट ओमिक्रॉन के साथ देश में कोरोना संक्रमण की रफ्तार बेकाबू होती जा रही है। एक दिन में करीब 34 हजार लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। मरने वालों की संख्या भी बढ़ रही है। वहीं तमाम हिदायतों और निर्देशों के बावजूद सार्वजनिक स्थलों और बाजारों में लापरवाही जारी है। ऐसे में कोरोना की तीसरी लहर को आने से रोकना मुश्किल होगा। सवाल यह है कि महामारी की दूसरी लहर में हाहाकारी हालातों का सामना करने के बाद भी लोग लापरवाह क्यों हैं? केंद्र व राज्य सरकारें कोरोना प्रोटोकॉल का कड़ाई से पालन क्यों नहीं करा रही है? क्या सिर्फ टीकाकरण से महामारी की रफ्तार को रोका जा सकेगा? भीड़ को नियंत्रित करने के जरूरी उपाय क्यों नहीं किए जा रहे हैं? बढ़ते संक्रमण के बावजूद बड़ी-बड़ी रैलियां स्थगित क्यों नहीं की जा रही हैं? क्या सत्ता के आगे सियासी दल जनता के जीवन को दांव पर लगा रहे हैं? क्या एक और लहर देश की अर्थव्यवस्था को रसातल में नहीं पहुंचा देगी?

जिस रफ्तार से कोरोना संक्रमण फैल रहा है उससे देश में तीसरी लहर की आहट साफ-साफ सुनायी देने लगी है। राज्य सरकारों ने पाबंदियों का ऐलान किया है लेकिन ये महज कागजों में सिमट कर रह गयी हैं। अभी भी लोग बाजार में बिना मास्क घूम रहे हैं। दुकानों और बाजारों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन नहीं किया जा रहा है। इस मामले में स्थानीय पुलिस-प्रशासन भी सक्रिय नहीं दिख रहा है। यह दीगर है कि सरकार ने महामारी को देखते हुए टीकाकरण की रफ्तार बढ़ा दी है और 15 से 18 साल के किशोरों का भी वैक्सीनेशन शुरू कर दिया है लेकिन विशेषज्ञ भी मानते हैं कि कोरोना से निपटने में केवल वैक्सीनेशन पर्याप्त नहीं है। कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के साथ कोरोना प्रोटोकॉल का पालन भी अनिवार्य रूप से करना होगा क्योंकि टीकाकरण के बावजूद संक्रमण की संभावना बनी रहती है। दुनिया के कई देशों में बूस्टर डोज भी लग रही है। भारत ने भी तीसरी डोज को मान्यता दे दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि लापरवाही जारी रही तो तीसरी लहर को आने से रोका नहीं जा सकेगा। जाहिर है, सरकार को चाहिए कि वह विशेषज्ञों की बातों को गंभीरता से लेते हुए कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराए। साथ ही टीकाकरण की रफ्तार को बढ़ाए क्योंकि अभी भी कई करोड़ लोगों ने वैक्सीन की एक डोज भी नहीं लगवाई है। जनता को समझना चाहिए कि कोई भी सरकार जन सहयोग के बिना किसी भी महामारी से नहीं निपट सकती है लिहाजा उसे नागरिक कर्तव्यों का पालन करना चाहिए।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

चुनाव कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा

सुरेश हिंदुस्थानी

पिछले दो लोकसभा चुनावों के बाद जिस प्रकार की राजनीतिक तस्वीर निर्मित हुई है, उससे यही परिलक्षित होता है कि देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस बहुत बड़ी और कठिन परीक्षा के दौर से गुजर रही है। अब देश के पांच राज्यों में विधान सभा चुनावों की कवायद चल रही है। इन राज्यों में कांग्रेस की वर्तमान हालात परिस्थिति के ऐसे भंवर में गोता लगा रही है, जहां से वह अपनी राजनीतिक स्थिति में सुधार कर पाएगी, यह असंभव-सा ही लगता है। असंभव इसलिए कि देश के सबसे बड़े राज्य यूपी में पहले से ही कांग्रेस की स्थिति ठीक नहीं है।

कांग्रेस की विसंगति यह है कि आज के परिदृश्य में उसके साथ मिलकर कम से कम उत्तर प्रदेश में तो कोई भी दल चुनाव लड़ना नहीं चाहता, क्योंकि पिछले विधान सभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ा सपना दिखाते हुए समाजवादी पार्टी को सत्ता सुख से वंचित कर दिया। दूसरी बड़ी बात यह है कि गांधी परिवार की विरासती पृष्ठभूमि से राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश करने वाली प्रियंका गांधी वाड्रा भी वैसा राजनीतिक प्रभाव नहीं छोड़ पाईं, जैसी उम्मीद की जा रही थी। राहुल गांधी ने परिवार की परंपरागत सीट अमेठी का परित्याग कर केरल की राजनीतिक पिच पर अपना खेल खेला। जहां पंजाब राज्य की बात करें तो वहां पिछले छह महीने पहले जो राजनीतिक दृश्य दिखाई देता था, आज का दृश्य उसके एकदम उलट है। पहले जो कैप्टन अमरिंदर सिंह कांग्रेस की एक छत्र कमान संभाले थे, आज वे कांग्रेस के लिए ही चुनौती बनकर राजनीतिक मैदान में हैं। यह भी लगभग तय ही हो गया है कि वे भाजपा के साथ दोस्ती करके चुनाव लड़ेंगे। इससे यह लगने लगा है कि भाजपा और कैप्टन अमरिंदर सिंह को भले लाभ न मिले, लेकिन कांग्रेस का रसातल की ओर जाना तय लग रहा है। पंजाब में आम आदमी पार्टी सत्ता बनाने लायक अपनी स्थिति मानकर चल रही थी, लेकिन अब उसके सपने पूरे होंगे या नहीं, संशय की स्थिति है। पंजाब में अब राजनीतिक महत्वाकांक्षा पालकर किसान आंदोलन करने वाले 22 किसान संगठनों ने सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का ऐलान कर दिया है। इस मोर्चा ने जोर दिखाया तो सबके सपने धूमिल भी हो सकते हैं। जब से कांग्रेस ने पराभव की ओर कदम बढ़ाने प्रारंभ किए हैं, उस दिन के बाद न तो कांग्रेस में अपनी स्थिति सुधारने की दिशा में कोई प्रयत्न हुए हैं और न ही ऐसा कोई प्रयास ही किया गया है। इसका मुख्य कारण यह है कि केंद्रीय स्तर पर कांग्रेस का कोई ऐसा राजनेता नहीं है जो प्रादेशिक क्षत्रपों को नियंत्रित करने का सामर्थ्य रख सके। इसको लेकर कांग्रेस में अंदर ही अंदर लावा सुलग रहा है, जिसकी हल्की-सी चिंगारी ने कांग्रेस को कमजोर किया है, लेकिन भविष्य में कांग्रेस के अंदर बड़े विस्फोट की भी आशंका निर्मित होने लगी है।

आज कांग्रेस के दिग्गज नेता असहज महसूस करने लगे हैं। वरिष्ठ नेता के रूप में पहचान बनाने वाले मायूस हैं। वे कभी खुलकर बगावत करने की स्थिति में दिखाई देते हैं तो कभी अपने प्रति होने वाली उपेक्षा से दुखी दिखाई देते हैं। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता जयराम रमेश ने एक बार अपना दुख प्रकट करते हुए कहा था कि अब कांग्रेस में वरिष्ठों के दिन समाप्त हो चुके हैं। राहुल गांधी जैसा चाहते हैं वैसा ही हो रहा है। इतना ही नहीं कई राजनेता पार्टी के पूर्णकालिक अध्यक्ष की मांग कई बार कर चुके हैं। यह मुद्दा लोकसभा चुनाव के बाद बहुत जोरशोर से उठा था, लेकिन इस मांग को राष्ट्रीय नेतृत्व ने दरकिनार कर दिया। जिसका खामियाजा कांग्रेस को असंतोष के रूप में भोगना पड़ रहा है, अब आगे क्या होगा, यह भविष्य के गर्भ में है, लेकिन यह अवश्य कहा जा सकता है कि कांग्रेस की भविष्य की राह आसान नहीं है। वर्तमान समय को कांग्रेस के लिए अग्निपरीक्षा निरूपित किया जाए तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी क्योंकि

जिन पांच राज्यों में विधान सभा चुनावों की तैयारी चल रही है, उनमें उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, गोवा और मणिपुर हैं। वर्तमान राजनीतिक परिदृश्य को देखकर यही लगता है कि उत्तर प्रदेश में कांग्रेस वैसा चमत्कार करने की स्थिति में नहीं है, जिसकी उसके नेता प्रियंका से आशा कर रहे थे। उत्तराखंड में भी हालात इससे कम नहीं हैं। पंजाब में घमासान चल ही रहा है। वास्तव में इन सब बातों को सुधारने के लिए कांग्रेस को लोकतांत्रिक पद्धति से अपने प्रभावी नेताओं के दुख को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। इसके अलावा लोक सभा चुनाव में मिली असफलता के बाद कांग्रेस के नेताओं को अपनी दशा सुधारने के लिए आत्ममंथन भी करना चाहिए था, लेकिन नहीं किया गया। पांच राज्यों के चुनाव कांग्रेस के लिए किस प्रकार की स्थिति निर्मित करेंगे, यह अभी देखने का समय है।

ई-उत्पादों पर लगे आयात शुल्क

अश्विनी महाजन

हालांकि विश्व व्यापार संगठन का 12वां मंत्रीस्तरीय सम्मेलन कोरोना के बढ़ते प्रकोप के चलते अभी स्थगित हो गया है, पर अब तक की तैयारी से स्पष्ट है कि इस सम्मेलन में हमेशा की भांति बड़े औद्योगिक एवं विकसित देश ऐसे प्रस्तावों को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे, जो उनकी कंपनियों के लिए तो हितकारी होंगे, लेकिन भारत समेत विकासशील देशों, खासतौर पर वहां के गरीबों के लिए अहितकारी होंगे। प्रस्ताव यह है कि गैरकानूनी, गैररिपोर्टेड और गैरविनियमित मत्स्ययन के लिए दी जानेवाली सब्सिडी समाप्त हो यानी सीधे-सीधे कोशिश यह है कि हमारे छोटे मछुआरों, जो अपने जीवनयापन के लिए लघुस्तरीय मत्स्ययन करते हैं, उनको सरकार कोई सहायता न दे पाए, लेकिन बड़े-बड़े ट्रॉलरों एवं जहाजों द्वारा गहरे समुद्र में मत्स्ययन के लिए सहायता में कटौती का कोई प्रस्ताव नहीं है।

भारत को कृषि उत्पादों की सरकारी खरीद के संदर्भ में, विकसित देशों द्वारा अभी तक जो कथित रियायत दी जा रही है, उसके स्थायी समाधान के नाम पर यह शर्त लादी जा रही है कि सरकार द्वारा खरीदे गये कृषि उत्पादों का निर्यात नहीं किया जा सकेगा। कई उदाहरण इंगित करते हैं कि पूर्व में हुए समझौते गैरबराबरी के समझौते थे, जिनमें विकसित देशों द्वारा विकासशील देशों के विकास को बाधित करने और उनकी सरकारों को अपने उद्योग, कृषि और अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों को किसी भी प्रकार की मदद से रोकने के प्रावधान किये गये थे लेकिन जहां-जहां विकसित देशों की कंपनियों को फायदा पहुंच सकता था, उसके लिए विकासशील देशों से रियायतें लेने में भी कोई कसर नहीं छोड़ी गयी। कहा जाता है कि व्यापार एक युद्ध है। जब विकसित देश व्यापार वार्ताओं को एक युद्ध के रूप में देखते हैं, तब भारत को भी अपने हितों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए व्यापार वार्ताओं का सही उपयोग करना होगा। इस संदर्भ में संगठन के प्रारंभ से ही इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर टैरिफ स्थगन के अस्थायी प्रावधान को समाप्त करने हेतु प्रयास करने का समय आ गया है। गौरतलब है कि तब ऐसे उत्पादों में व्यापार बहुत सीमित था। संगठन के दूसरे मंत्रीस्तरीय सम्मेलन में ही यह निर्णय हुआ था कि विकासशील देशों की विकास की आवश्यकताओं के संदर्भ में वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक व्यापार से संबद्ध सभी मुद्दों पर अध्ययन हो और अगले सम्मेलन तक इन उत्पादों पर शुल्क स्थगित रखा जाए। आज स्थिति यह है कि अकेले भारत द्वारा लगभग 30 अरब डॉलर से भी ज्यादा ऐसे उत्पादों का आयात हो रहा है। यदि 10 प्रतिशत भी शुल्क लगाया जाए तो भारत सरकार को तीन अरब डॉलर से ज्यादा राजस्व प्राप्त होगा। यहां विषय केवल राजस्व की हानि का नहीं है, बल्कि भारत जैसे देशों में जहां हमारे स्टार्टअप और सॉफ्टवेयर कंपनियां विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने में सक्षम हैं, जहां फिल्म और अन्य मनोरंजन के उत्पाद हम अपने देश में ही बना सकते हैं, लेकिन जब बिना शुल्क व रोक-टोक के इस प्रकार के सभी उत्पाद आयात हो जाते हैं, तो देश में उनके उत्पादन के लिए कोई प्रोत्साहन ही नहीं रहता।

इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों के निर्बाध आयात से केवल अमरीका और यूरोपीय देश ही लाभान्वित नहीं हो रहे बल्कि चीन को भी फायदा हो रहा है। दुनिया में उत्पादन का प्रकार भी बदल रहा है। आज किसी वस्तु को विदेश से मंगाने के लिए उसको भौतिक रूप से आयात करना जरूरी नहीं। थ्रीडी प्रिंटिंग द्वारा उस वस्तु को भौतिक रूप से बनाया जा सकता है। यदि ऐसा होता है, तो भौतिक वस्तुओं के आयात शुल्कों से भी देश को हाथ धोना पड़ सकता है। इलेक्ट्रॉनिक कॉमर्स के बारे में दुनिया में अभी भी स्पष्टता नहीं है और न ही इसके व्यापार संबंधित विषयों की समझ में कोई मतैक्य है। विभिन्न प्रकार की चालाकियों से इस विषय और संबंधित चर्चाओं को उलझाने की कोशिश भी हो रही है। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस मामले में सतर्कता और स्पष्टता से सक्रिय हैं और विश्व व्यापार संगठन परिषद को दिये अपने प्रस्ताव में उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों पर शुल्क स्थगन पर प्रश्नचिह्न लगाते हुए इस पर पुनर्विचार की मांग की है।

दिसंबर, 2019 में सदस्य देशों ने जून, 2020 (12वें मंत्रीस्तरीय सम्मेलन) तक के छह महीनों के लिए इस स्थगन को आगे बढ़ाया था। कोविड के चलते यह सम्मेलन नहीं हो पाया था। तब यह कहा गया था कि सम्मेलन में सदस्य देशों द्वारा इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन की परिभाषा स्पष्ट की जायेगी। यह कहा गया है कि विकासशील देशों के लिए इस शुल्क स्थगन पर पुनर्विचार करना जरूरी हो गया है, ताकि आयात के नियमन के लिए नीति बन सके तथा राजस्व के साथ डिजिटल उद्योगीकरण के उद्देश्य की प्राप्ति की जा सके। इस मुद्दे की और अधिक अनदेखी नहीं की जा सकती। भारत पहली तीन औद्योगिक क्रांतियों में पिछड़ा रहा। आज चौथी औद्योगिक क्रांति का समय है, जो डिजिटल उद्योगीकरण के माध्यम से आयेगी। हमें इस अवसर को खोना नहीं है। जब विकसित देश किसी भी हद तक जाकर भारत जैसे देशों पर दबाव बनाते हैं, तब भारत को भी अन्य विकासशील देशों को साथ लेकर विकसित देशों को रोकना होगा। इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर शुल्क लगाना डिजीटल उद्योगीकरण के लिए पहली शर्त होगी।

नये साल में अपनाएं ये आदतें, नहीं पड़ेंगे बीमार

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में अपनी सेहत का ख्याल रखना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं हैं। कहते हैं कि बीमारियों से दूर रहने की सबसे बेहतर दवा एक हेल्दी लाइफस्टाइल है। स्वस्थ रहने के लिए सही दिनचर्या से लेकर खान-पान पर ध्यान देना बहुत जरूरी है। ऐसे में नए साल में यदि आप अपने रूटीन में कुछ आदतों को शामिल कर लेते हैं तो बीमारियां आपके आस पास भी नहीं भटकेंगी। आइये जानते हैं इनके बारे में...

इस तरह करें दिन की शुरुआत

देर तक सोना बुरी आदत है, इसलिए सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। सेहतमंद रहने के लिए दिन की शुरुआत किसी फल से ही करें। दिन में रोजाना कम से कम दो तरह के फल जरूर खाएं। 21 दिन में ये आपकी आदत बन जाएगी। रात को 9 बजे से पहले डिनर करें और कुछ भी खाने के बाद आधे घंटे की वॉक जरूर करें।

सही चीजें खाएं

फ्रेश, सीजनल और घर में बना खाना ही सबसे ज्यादा पौष्टिक होता है। इसलिए सीजन के हिसाब से खाने की चीजें चुनें। ताजा चीजें खाएं। घर में बने खाने की आदत आपको तमाम भयंकर बीमारियों से दूर रख सकती है। हरी सब्जियों में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट्स, न्यूट्रीएंट्स, विटामिन, जिंक पाए जाते हैं, जो हमें सेहतमंद रखने के साथ इम्युनिटी को भी बेहतर बनाते हैं।

सर्विंग साइज

खाने का सर्विंग साइज शरीर के एक्टिविटी लेवल, उम्र, सेक्स और हेल्थ कंडीशन पर निर्भर करता है। एक हेल्दी फूड भी तभी सेहत को फायदा देता है जब उसकी सर्विंग क्वांटिटी एकदम सही हो। अगर आप ज्यादा खाकर कैलोरी बर्न नहीं कर रहे हैं तो ये आपकी सेहत पर बुरा असर डालेगा।

दिनभर की डाइट

ब्रेकफास्ट लंच और डिनर को लेकर प्लान जरूर बनाएं। ब्रेकफास्ट और लंच में हैवी डाइट ले सकते हैं, लेकिन रात के वक्त आसानी से पचने वाली चीजें ही खाएं। अपनी डाइट में शरीर के लिए जरूरी प्रोटीन, कैल्शियम और फाइबर जैसे पोषक तत्व वाले फूड शामिल करें।

हेल्दी माइंड

इंसान के सेहतमंद रहने के लिए उसके ब्रेन फंक्शन का सही ढंग से काम करना बहुत जरूरी है। इसलिए दिमाग को दुरुस्त रखने के लिए कुछ बातों का विशेष ध्यान रखें। 6-8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। ये आपके ब्रेन फंक्शन को सही रखेगा और स्ट्रेस और एन्जाइटी से बचाएगा। अच्छी किताबें पढ़ें, म्यूजिक सुनें और समय निकालकर घूमने-फिरने की प्लानिंग करें।

खूब पानी पिएं

पानी हेल्दी लाइफस्टाइल का सबसे प्रमुख हिस्सा है। मायो क्लीनिक की एक रिपोर्ट के मुताबिक, एक पुरुष को रोजाना करीब 3.7 लीटर पानी पीना चाहिए। जबकि महिलाओं को दिनभर में करीब 2.7 लीटर पानी पीने की आदत बनानी चाहिए। पानी न सिर्फ हमारे शरीर से जहरीले पदार्थों को बाहर निकालने का काम करता है, बल्कि बॉडी को हाइड्रेट भी रखता है।

वर्कआउट

आपको रोजाना एक्सरसाइज करने की आदत डालनी चाहिए। इसके लिए जिम या फिटनेस सेंटर जाना भी जरूरी नहीं है। आप घर में ही कई तरह की एक्सरसाइज करके फिट रह सकते हैं। आपको हफ्ते में कम से कम 5 दिन एक्सरसाइज करनी चाहिए। रोजाना करीब 45 मिनट वर्कआउट करके आप फिट रह सकते हैं।

हैंड वॉश

बैक्टीरिया ज्यादातर हाथों के जरिए ही हमारे पेट में जाते हैं। जो कई बड़ी बीमारियों का कारण बनते हैं। इसलिए सेहतमंद रहने के लिए अपने हाथों को साफ रखना बहुत ज्यादा जरूरी है। खाने से पहले और बाद में हाथ जरूर धोएं। बाहर से आने पर, किसी भी चीज को छूने के बाद भी हाथों को अच्छी तरह से धोएं। यह आदत आपको कई बड़ी बीमारियों से दूर रखने में मदद करेगी।

जंक फूड

बाहर का तला हुआ, मसालेदार या चटपटा खाना छोड़ देना ही बेहतर होगा। हाई शुगर या हाई सोडियम फूड (ज्यादा मीठा या नमकीन) से दूर रहें। डीप फ्राई चीजों के तो बिल्कुल नजदीक न जाएं। खाने की ये चीजें आपकी सेहत पर सबसे ज्यादा बुरा असर डालती हैं।

हंसना मना है

रवि केले खरीदने गया। रवि: एक केला कितने का है भाई ? दुकानवाला: दस रुपये का है। रवि: चार रुपये में दे दो। दुकानवाला: चार रुपये में छिल्का दूंगा। रवि: ये ले छह रुपये सिर्फ केला दो, छिल्का तू रख ले...

70 साल की एक बुजुर्ग महिला ने अदालत में तलाक के लिए अर्जी लगाई,जज ने बुजुर्ग महिला से पूछा: इस उम्र में तलाक क्यों लेना चाहती हैं आप? महिला: जज साहब, मेरे पति मुझ पर मानसिक अत्याचार कर रहे हैं। जज: वो कैसे? महिला: इनकी जब मर्जी होती है, मुझे खरी-खोटी सुना देते हैं और जब मैं बोलना शुरू करती हूं तो अपने कान की मशीन निकाल देते हैं...

मरीज: डॉक्टर साहब, क्या आपको यकीन है कि मुझे मलेरिया ही है? दरअसल, मैंने एक मरीज के बारे में पढ़ा था कि डॉक्टर उसका मलेरिया का इलाज करते रहे... अंत में जब वह मरा तो पता चला कि उसे टायफाइड था। डॉक्टर: चिन्ता मत करो, हमारे अस्पताल में ऐसा कभी नहीं होता। हम अगर किसी का मलेरिया का इलाज करते हैं तो वह मलेरिया से ही मरता है !

डॉक्टर: तुमने आने में देर कर दी। राजू: क्या हुआ डॉक्टर साहब, कितना वक्त बचा है मेरे पास? डॉक्टर: मर नहीं रहे हो, 6 बजे का अपॉइंटमेंट था 7 बजे आए हो...

कहानी | महात्मा जी की बिल्ली

एक बार एक महात्माजी अपने कुछ शिष्यों के साथ जंगल में आश्रम बनाकर रहते थें, एक दिन कहीं से एक बिल्ली का बच्चा रास्ता भटककर आश्रम में आ गया। महात्माजी ने उस भूखे प्यासे बिल्ली के बच्चे को दूध-रोटी खिलाया। वह बच्चा वहीं आश्रम में रहकर पलने लगा। लेकिन उसके आने के बाद महात्माजी को एक समस्या उत्पन्न हो गयी कि जब वे सायं ध्यान में बैठते तो वह बच्चा कभी उनकी गोद में चढ़ जाता, कभी कन्धे या सिर पर बैठ जाता । तो महात्माजी ने अपने एक शिष्य को बुलाकर कहा देखो मैं जब सायं ध्यान पर बैठू, उससे पूर्व तुम इस बच्चे को दूर एक पेड़ से बॉध आया करो। अब तो यह नियम हो गया, महात्माजी के ध्यान पर बैठने से पूर्व वह बिल्ली का बच्चा पेड़ से बांधा जाने लगा । एक दिन महात्माजी की मृत्यु हो गयी तो उनका एक प्रिय काबिल शिष्य उनकी गद्दी पर बैठा । वह भी जब ध्यान पर बैठता तो उससे पूर्व बिल्ली का बच्चा पेड़ पर बॉधा जाता । फिर एक दिन तो अनर्थ हो गया, बहुत बड़ी समस्या आ खड़ी हुयी कि बिल्ली ही खत्म हो गयी। सारे शिष्यों की मीटिंग हुयी, सबने विचार विमर्श किया कि बड़े महात्माजी जब तक बिल्ली पेड़ से न बॉधी जाये, तब तक ध्यान पर नहीं बैठते थे। अत: पास के गॉवों से कहीं से भी एक बिल्ली लायी जाये। आखिरकार काफी ढूँढने के बाद एक बिल्ली मिली, जिसे पेड़ पर बॉधने के बाद महात्माजी ध्यान पर बैठे। विश्वास मानें, उसके बाद जाने कितनी बिल्लियॉ मर चुकी और न जाने कितने महात्माजी मर चुके। लेकिन आज भी जब तक पेड़ पर बिल्ली न बॉधी जाये, तब तक महात्माजी ध्यान पर नहीं बैठते हैं। कभी उनसे पूछो तो कहते हैं यह तो परम्परा है। हमारे पुराने सारे गुरुजी करते रहे, वे सब गलत तो नहीं हो सकते। कुछ भी हो जाये हम अपनी परम्परा नहीं छोड़ सकते। यह तो हुयी उन महात्माजी और उनके शिष्यों की बात। पर कहीं न कहीं हम सबने भी एक नहीं; अनेकों ऐसी बिल्लियां पाल रखी हैं । कभी गौर किया है इन बिल्लियों पर? सैकड़ों वर्षो से हम सब ऐसे ही और कुछ अनजाने तथा कुछ चन्द स्वार्थी तत्वों द्वारा निर्मित परम्पराओं के जाल में जकड़े हुए हैं। जरुरत इस बात की है कि हम ऐसी परम्पराओं और अॅधविश्वासों को अब और ना पनपने दें , और अगली बार ऐसी किसी चीज पर यकीन करने से पहले सोच लें की कहीं हम जाने अनजाने कोई अन्धविश्वास रुपी बिल्ली तो नहीं पाल रहे?

5 अंतर खोजें

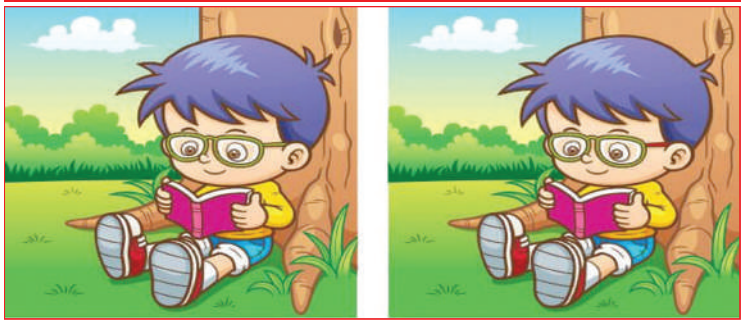

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

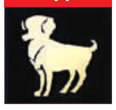

आज का दिन दोस्तों के साथ पार्टी करने में व्यतीत होगा। इस राशि के व्यवसायी को अचानक कहीं से धन की प्राप्ति हो सकती है। आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृषभ

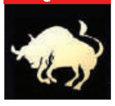

दूसरों की सलाह को ज्यादा गंभीरता से न लें। बेचैनी के कारण आप परेशान हो सकते हैं। आप जो भी काम करें, अपनी जानकारी में करें और सोच-समझकर करें। पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

मिथुन

आज आपके लंबे समय से रुके हुए काम पूरे होंगे। कोई महत्वपूर्ण व्यक्ति जो अब तक आपके लिए बाधक बन रहा था, अब आपकी मदद के लिए आगे आएगा। इसकी मदद से आप अपना काम आसानी से कर पाएंगे।

कर्क

आज का दिन सामान्य रहेगा। सड़क पर चलते समय यातायात नियमों को ध्यान में रखते हुए सड़क पार करें। पार्टनर को खुश करने के लिए आज आप उन्हें चॉकलेट गिफ्ट कर सकते हैं।

सिंह

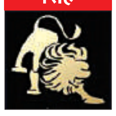

आज आपकी ऊर्जा और उत्साह में वृद्धि होगी और आप व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने में सक्षम होंगे। निजी जीवन में कुछ अच्छे बदलाव होंगे।

कन्या

आपके परिवार का कोई सदस्य या कोई मित्र आपको निराश कर सकता है और आपके सामने परेशानी भी खड़ी कर सकता है। इस बात से संतुष्ट रहें कि आपकी आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

तुला

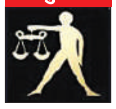

आज का दिन अच्छा रहेगा। आपको कंपनी की ओर से विदेश यात्रा पर जाना पड़ सकता है। इस राशि की महिलाओं के लिए आज का दिन अच्छा है। आपको कंपनी में नौकरी के लिए कॉल आ सकती है।

वृश्चिक

किसी वाद-विवाद में पड़ने की बजाय शांति से मामले को सुलझा लेंगे तो आपके लिए बेहतर होगा। आपको किसी कठिन परिस्थिति का भी सामना करना पड़ सकता है।

धनु

कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत और ईमानदारी से आप बढ़ते कार्यभार को संभालने में सफल रहेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से आपको और आपके संगठन दोनों को फायदा होगा।

मकर

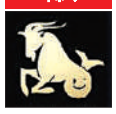

आज का दिन यात्रा में व्यतीत होगा। परिवार के सदस्यों के साथ मनोरंजन के लिए कहीं दूर यात्रा का प्लान बन सकता है। परिवार के सभी सदस्यों को सुख की प्राप्ति होगी।

कुम्भ

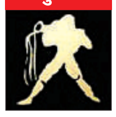

आज के दिन आप विलंब और भारी काम के बोझ से मानसिक अशांति का अनुभव करेंगे। ध्यान रखें कि सामाजिक दृष्टिकोण से आपको अपमानित होने की जरूरत नहीं है। पर्यटन की संभावनाएं हैं।

मीन

आज आपको नए और सकारात्मक आर्थिक विकास के संकेत मिलेंगे, यह किसी प्रकार का प्रमोशन या वेतन वृद्धि हो सकती है। इन वित्तीय संभावनाओं का लाभ उठाएं और अपने भविष्य के वित्तीय लक्ष्यों को पूरा करें।

भोजपुरी | मन की बात

बेटी आलिया को इंप्रेस करने के लिए बनाई थी फिल्म 'डुप्लीकेट' : महेश भट्ट

महेश भट्ट ने 90 के दशक में कई ब्लॉकबस्टर फिल्म बनाई। इनमें सड़क, आशिकी जैसी फिल्में थी। वहीं उन्होंने डुप्लीकेट जैसी मसाला कॉमेडी को भी डायरेक्ट किया था। डुप्लीकेट में शाहरुख खान डबल रोल में थे। भट्ट ने अब खुलासा किया है कि ये फिल्म उन्होंने अपनी चार साल की बेटी आलिया भट्ट को इंप्रेस करने के लिए बनाई थी। महेश भट्ट का एक पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है। लेहरे क्रू के साथ बातचीत के दौरान, महेश भट्ट ने कहा, यह ऐसी फिल्म है जिसे मैं अपने बच्चों को दिखाने के लिए उत्सुक हूं। क्योंकि मेरी पिछली फिल्में बच्चों के लिए बहुत हिंसक थीं। महेश भट्ट ने कहा कि उन्होंने आलिया भट्ट को इंप्रेस करने के लिए ये फिल्म बनाई है, जो केवल चार साल की थीं। महेश भट्ट ने कहा, बच्चे आमतौर पर अपने माता-पिता से इंप्रेस नहीं होते हैं। हो सकता है कि मैं अपनी चार साल की बच्ची आलिया को डुप्लीकेट से प्रभावित कर सकता हूं। शाहरुख खान ने डुप्लीकेट की शूटिंग के दौरान कहा था कि जैसे ही उनके पास ये रोल आया था उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया था। आलिया भट्ट ने साल 1999 में अपने पिता महेश भट्ट की फिल्म संघर्ष में बतौर चाइल्ड एक्टर डेब्यू किया था। फिल्म में आलिया भट्ट ने प्रीति जिंटा के बचपन का रोल निभाया था। आलिया ने साल 2012 में फिल्म स्टूडेंट ऑफ द ईयर से डेब्यू किया था। आलिया भट्ट ने इस फिल्म के जरिए ही खुद को बॉलीवुड में स्थापित कर दिया था। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया भट्ट के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं। आलिया भट्ट एसएसराजामौली की फिल्म आरआरआर में नजर आने वाली हैं। फिल्म में अल्लू अर्जुन, राम चरण लीड रोल में हैं। आलिया इसके अलावा फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आएंगी।

RRR फिल्म की रिलीज डेट टाली गई

बॉलीवुड और फिल्म प्रशंसकों के लिए इस साल की शुरुआत अच्छी नहीं रही है। नए साल के पहले दिन ही दिग्गज फिल्ममेकर एसएस राजामौली की बड़ी बजट वाली फिल्म आरआरआर पर कोरोना की गाज गिर गई है। फिल्म मेकर्स ने फिल्म की रिलीज टाल दी है। इसको लेकर एक आधिकारिक ट्वीट भी किया गया है।

7 को रिलीज होने वाली थी फिल्म

बता दें कि आरआरआर पहले 7 जनवरी को रिलीज होने थी, लेकिन अब फिल्म को इस तारीख पर रिलीज नहीं किया जाएगा। हालांकि, अभी आरआरआर की नई रिलीज डेट का ऐलान नहीं किया गया है। बाहुबली बनाकर इंडस्ट्री में धमाल मचाने वाले एसएस राजामौली की फिल्म की रिलीज डेट पहले भी कई बार टाली जा चुकी है। मेगा बजट फिल्म तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम के अलावा हिंदी भाषा में भी रिलीज होनी है।

बॉलीवुड | मसाला

बता दें कि देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए कई शहरों में सिनेमाघर बंद कर दिए गए हैं। कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मेकर्स ने तय किया है कि फिल्म को फिलहाल के लिए टाल देना ही सभी के लिए ठीक होगा।

कई स्टार अभिनेता इस फिल्म में एसएस राजामौली की इस फिल्म में साउथ के साथ-साथ बॉलीवुड के भी की सितारे हैं। इस फिल्म में सुपरस्टार राम चरणऔर जूनियर एनटीआर के अलावा अजय देवगन और आलिया भट्ट महत्वपूर्ण किरदार निभा रहे हैं। आरआरआर एक पीरियड ड्रामा फिल्म है। जिसमें एक्शन के साथ-साथ हिस्ट्री का तड़का लगया गया है।

400 करोड़ के बजट वाली मूवी

राजामौली ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। बताते हैं कि फिल्म RRR का बजट 400 करोड़ रुपए है। वहीं, राधाकृष्ण कुमार के डायरेक्शन में बनी राधे श्याम का बजट 350 करोड़ रुपए का है। राधे श्याम की पहली रिलीज डेट 30 जुलाई 2021 थी, लेकिन कोविड को देखते हुए इसे टाल दिया गया था। 23 दिसंबर को करीब 40 हजार फैंस की मौजूदगी में इसका ट्रेलर रिलीज किया गया था।

महादेव फेम मोहित रैना ने रचाई शादी

महादेव टीवी सीरियल के फेमस अभिनेता मोहित रैना शादी के बंधन में बंध गये हैं। उन्होंने अपनी शादी की कई तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। जिसमें मोहित अपनी पत्नी अदिति के साथ विवाह की रस्में निभाते दिख रहे हैं। मोहित रैना ने अपनी शादी की तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, प्यार किसी भी बाधा को नहीं पहचानता है, यह बाधाओं को दूर करता है। छलांग लगाता है, दीवारों में लांघकर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए आशा से भरा होता है। उस आशा और अपने माता-पिता के आशीर्वाद से हम अब दो नहीं बल्कि एक हैं। इस नए सफर में आप सभी के प्यार और आशीर्वाद की जरूरत है।

पहली तस्वीर आई सामने

कई सीरियल्स में मोहित नजर आ चुके हैं लेकिन उन्हें सबसे ज्यादा पहचान देवों के देव महादेव सीरियल में भगवान शिव के रोल से मिली। इसके अलावा वे उरी- द सर्जिकल स्ट्राइक फिल्म में भी नजर आ चुके हैं। सोशल मीडिया पर साझा की गई एक तस्वीर में दोनों फेरे लेते दिख रहे हैं। इस फोटो ने उनके प्रशंसकों को सरप्राइज कर दिया है।

अजब-गजब | पहली बार नहीं बल्कि हर साल होता है ऐसा

नए साल का जश्न मनाने के लिए 874 कारों में लगा दी आग

पूरी दुनिया में नए साल का जश्न बड़ी धूमधाम से मनाया गया। नए साल की पूर्व संध्या से ही लोगों ने 2022 के जश्न की तैयारियां पूरी कर ली थीं। कहीं पटाखे फोड़े गए तो कहीं तेज संगीत की धुन पर लोगों ने थिरकते हुए नए साल का स्वागत किया। लेकिन फ्रांस में कुछ और ही नजारा देखने को मिला। जहां नए साल की पूर्व संख्या पर लोगों ने सैकड़ों कारों में आग लगाकर नए साल का जश्न मनाया है। इस दौरान यहां 874 कारो को आग के हवाले कर दिया गया। इतनी कारों में आग लगाने की ये घटना पहली बार नहीं हुई बल्कि यहां हर साल नए साल पर इसी तरह का नजारा देखने को मिलता है। सबसे हैरानी की बात तो ये है कि इस साल सिर्फ 874 कारों को ही आग के हवाले किया गया।

क्योंकि बीते सालों में कारों में आग लगाने की ये संख्या इससे साल से कहीं ज्यादा रही है। दरअसल, कोरोना वायरस महामारी के चलते लगाए गए प्रतिबंधों के चलते इस बार सिर्फ 874 कारों को ही लोगों जलाया। दरअसल, फ्रांस में एक अजीब सी परंपरा है। जहां हर साल के आखिरी दिन कारों को आग के हवाले कर दिया जाता है लेकिन नई कारों को नहीं बल्कि पुरानी कारों को आग लगाई जाती है। बताते हैं कि ये परंपरा काफी पुरानी है और इसे साल के आखिरी दिन यानी 31 दिसंबर को मनाया जाता है मतलब इस दिन यहां कारों में आग लगाई जाती है।

इस बार नए साल की पूर्व संध्या पर फ्रांस में करीब 874 गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया। बता दें कि बीते साल फ्रांस में तमाम कोरोना प्रतिबंध लागू रहे जिसके चलते इस बार जलने वाली गाड़ियों की संख्या कम रही यानी कोरोना से पहले जलाए जाने वाले वाहनों की संख्या इससे कहीं ज्यादा होती थी। फ्रांस कोरोना की बेहद घातक लहर से जूझ रहा है नए साल के जश्न पर भी इसका साफ असर देखने को मिला। फ्रांस के आंतरिक मामलों के मंत्री गेराल्ड डार्मिनिन के मुताबिक, साल 2019 में यहां कुल 1,316 कारों को आग लगा दी गई थी। बता दें कि इस घटना के बाद पुलिस ने कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ भी की। साल 2019 में पुलिस ने यहां 376 लोगों से पूछताछ की तो इस साल 441 लोगों को पूछताछ के लिए पकड़ा गया। वहीं पूर्वोत्तर फ्रांस के स्ट्रासबर्ग में गाड़ियों को जलाने के बाद 31 लोगों को पूछताछ के लिए बुलाया गया। अधिकारियों के मुताबिक, पूछताछ में छह नाबालिग भी शामिल थे, जिन्होंने कोरोना कर्फ्यू के नियमों को तोड़ा था। बता दें कि फ्रांस कोरोना की बेहद घातक लहर से जूझ रहा है।

सुरक्षा में तैनात पुलिस को मिली अजीब जिम्मेदारी, अब गधे तलाशेगी पुलिस

पुलिस का काम आमतौर पर जनता को सुरक्षा देना और अपराध को कम करने का होता है। लेकिन जब पुलिस गधों को खोजने का काम करें, तब आप सोच सकते है उस राज्य की कानून व्यवस्था का क्या हाल होगा? अब पुलिस पिंकू, मोहर और बबलू जैसे नाम वाले गायब गधों को खोजने का काम करेगी। यह खबर है राजस्थान की जहां पुलिस अपराधों से निपटने की वजह गधे खोजने में लगी हुई है और इसके लिए एक स्पेशल टीम भी बनाई गई है, जो गायब हुए 70 गधे की खोज कर रही है। राजस्थान के हनुमानगढ़ जिले में पुलिस की एक स्पेशल टीम का गठन किया गया है। जिले के खुइयां थाने की यह स्पेशल टीम एक एएसआई (असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर) के नेतृत्व पर काम कर रही है। स्पेशल टीम आस-पास के गांवों में देवासर गांव से गायब हुए गधों के बारे में लोगों से पूछताछ कर रही है। साथ ही पुलिसकर्मी गांवों के लोगों को अपने पशुओं की देखभाल करने की सलाह भी दे रहे हैं और इनमें भी खासकर गधों को लेकर सतर्क रहने की बात कह रहे है। आपको बता दे गांव के पशुपालकों ने थाने के बाहर गधों के गायब हो जाने का विरोध किया और पुलिस ने भी लगभग 15 से 17 गधों की बरामदगी कर पशुपालकों के सामने लाया। लेकिन पशुपालकों ने उन गधों को लेने से इंकार कर दिया। गुमशुदा गधों की तलाश करने की मांग को लेकर पशुपालकों ने मंगलवार शाम थाने का घेराव किया था। हालांकि जब पुलिस ने पशुपालको से 15 दिन में गायब गधों को खोजने की बात कही तब लोगों ने धरना खत्म कर दिया था। बता दें इलाके के थाना प्रभारी विजेंद्र शर्मा ने कहा कि देवासर गांव के पशुपालकों ने शिकायत की थी कि पिछले 7-8 दिनों से उनके गधे चोरी हो रहे हैं। थाना प्रभारी ने कहा कि लोगों की शिकायत पर पुलिस ने करीब 15-17 गधों को बरामद किया था। तब शिकायतकर्ताओं से अपने-अपने गधों की पहचान करने के लिए कहा गया। उन लोगों ने गधों को पिंकू, बबलू और मोहर जैसे नामों से पुकारा, लेकिन जब गधों ने उनकी बातों का जवाब नहीं दिया तो शिकायतकर्ताओं ने गधों को लेने से इनकार कर दिया। साथ ही थाना प्रभारी यह भी बताया कि हमने एएसआई के नेतृत्व वाली में एक स्पेशल टीम बनाई है। जिसमें 5 कॉन्स्टेबल भी होंगे। यह टीम गायब हुए गधों को खोजने का काम करेगी। उन्होंने कहा, आसपास के गांववालों को अपने जानवरों, खासकर गधों को अंदर रखने के लिए कहा गया है,जिससे गायब हुये गधों की पहचान की जा सके।

यूपी में कोरोना ने पकड़ी रफ्तार मचा हड़कंप

66 जिलों तक पहुंचा कोरोना, ओमिक्रॉन के अब तक मिले आठ केस

गीताश्री

लखनऊ। अब यूपी में भी कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। प्रदेश में कोरोना मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। बीते 24 घंटे में 572 नए संक्रमित केस सामने आए हैं। वहीं एक्टिव केसों की संख्या बढ़कर 2261 हो गई है। वहीं ओमिक्रॉन के आठ केस मिले हैं, जिनमें से अमेठी में दो एक्टिव हैं। अन्य छह की रिपोर्ट निगेटिव आ गई है। संक्रमण की रफ्तार से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है।

प्रदेश में कुल एक लाख 47851 सैंपल की टेस्टिंग की गई थी, जिसमें 572 नए संक्रमित सामने आए हैं। इसी दौरान 34 लोग इसके संक्रमण से मुक्त भी हो गए हैं। प्रदेश में कोरोना का पाजिटिविटी रेट 1.83 प्रतिशत है। कुल रिकवरी रेट 98.50 प्रतिशत है। गौरतलब है कि 31 दिसंबर 2021 को प्रदेश में कुल 862 सक्रिय केस थे। ऐसे में बीते 72 घंटे में ही ढाई गुणा से अधिक रोगी बढ़ गए हैं। अब केवल नौ जिले ऐसे हैं, जहां कोरोना का एक भी मरीज नहीं है। इसमें अंबेडकर नगर, बांदा, भदोही, चित्रकूट, जौनपुर, महोबा, संत कबीर नगर, सिद्धार्थनगर व सुलतानपुर शामिल है। इस समय 66 जिलों में मरीज हैं। महीने भर पहले 40 जिले संक्रमण मुक्त थे और 35 जिलों में मरीज थे। महीने भर में 31 जिलों में संक्रमण ने अपने पांव पसारे हैं। गौतम बुद्ध नगर में सबसे ज्यादा कुल 448 रोगी हैं। दूसरे नंबर गाजियाबाद में कुल 401 और तीसरे नंबर पर लखनऊ में कुल 360 कोरोना रोगी हैं।

» 24 घंटे में 572 लोग हुए संक्रमित, पॉजिटिविटी रेट 1.83 प्रतिशत पहुंची

वैक्सीन लगवाने को स्कूल से मिलेगी दो दिन की छुट्टी

लखनऊ। प्रदेश में 15 वर्ष से 18 वर्ष के बीच की उम्र के 1.40 करोड़ किशोरों को कोरोना से बचाव के लिए वैक्सीन लगवाने के लिए स्कूल से दो दिन की छुट्टी मिलेगी। सोमवार को किशोरों को वैक्सीन लगाने की शुरुआत हुई। प्रदेश में 2150 से अधिक टीकाकरण केंद्रों पर वैक्सीन लगाने की व्यवस्था की गई। किशोरों को सिर्फ कोवैक्सीन लगाई जा रही है। पहले दिन 1.62 लाख ने कोरोनारोधी टीका लगवाया। उधर, 10 जनवरी से 20 लाख हेल्थ केयर व फ्रंटलाइन वर्करों और 37.54 लाख बुजुर्गों को भी टीके की सतर्कता (प्रिकाशन) डोज लगाई जाएगी।

देश में कोरोना बेकाबू, एक दिन में 37 हजार संक्रमित

नई दिल्ली। भारत में कोरोना की रफ्तार थमने का नाम नहीं ले रही है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार बीते 24 घंटे में कोरोना के 37,379 नए मामले सामने आए हैं और 124 लोगों की मौत हो गई। इस बीच सक्रिय मरीजों की संख्या ने चिंता बढ़ा दी है। देश में अब सक्रिय मरीजों की संख्या 1,71,830 हो गई है जो कि चिंताजनक है। महाराष्ट्र में कोरोना के मामले बढ़ने से हालात बेकाबू हो गए। राज्य में सोमवार को कोरोना के 12,160 नए मामलों ने हड़कंप मचा दिया। इस दौरान 11 लोगों की मौत भी दर्ज की गई।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार एक फरार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। गुडंबा के नवाबपुर गांव के पास सोमवार देर रात को पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग की। पुलिस ने दो बदमाशों को दबोच लिया है। वहीं एक साथी फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। पकड़ा गया बदमाश मंगेश उर्फ मंगेश्वर गिरी 25 हजार का इनामी बदमाश है। उसके साथ विशाल यादव को दबोचा गया है। दोनों के पास से पुलिस ने 40 हजार रुपये के नकली नोट, तमंचा व बाइक बरामद किया है।

» 40 हजार के नकली नोट बरामद

एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह के मुताबिक सोमवार देर रात सूचना पुलिस टीम मौके पर पहुंची। तभी एक बदमाश ने फायरिंग कर दी। पुलिस ने दो बदमाशों को दबोच लिया। पकड़े गये बदमाशों में देवरिया निवासी 25 हजार का इनामी मंगेश उर्फ मंगेश्वर गिरी व विशाल यादव शामिल है। मंगेश मूलरूप से रूद्रपुर स्थित मरकड़ी का रहने वाला है। वहीं दोनों का फरार साथी देवरिया का रोहित यादव है।

पंजाब : महिला वोटरों को लुभाने के लिए कांग्रेस ने चला नया दांव

» हर माह दो हजार रुपये और आठ मुफ्त गैस सिलेंडर का वादा, पांचवीं पास लड़कियों को दिए जाएंगे पांच हजार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। आगामी राज्य विधान सभा चुनावों से पहले मुफ्त उपहार के वादे के साथ मतदाताओं को लुभाने की दौड़ को आगे बढ़ाते हुए पंजाब कांग्रेस प्रमुख नवजोत सिंह सिद्धू ने सोमवार को वादा किया कि अगर उनकी पार्टी सत्ता में आती है तो महिला गृहणियों के लिए 2,000 रुपये प्रति माह दिए जाएंगे।

सिद्धू ने गृहणियों को हर साल आठ मुफ्त रसोई गैस सिलेंडर देने का भी वादा किया। राज्य कांग्रेस प्रमुख ने आगे की पढ़ाई के लिए कॉलेजों में प्रवेश लेने वाली लड़कियों को दोपहिया वाहन, 12वीं कक्षा पास करने वालों को 20,000, 10वीं कक्षा पास करने वालों को 15,000 और पांचवीं कक्षा पास करने वालों को 5,000 रुपये देने का भी वादा किया। सिद्धू ने ये घोषणाएं पंजाब के बरनाला जिले में आयोजित एक रैली में कीं। रैली को संबोधित करते हुए सिद्धू ने राज्य में महिला सशक्तिकरण की जरूरत पर बल देते हुए ये वादे किए। उन्होंने कहा, महिला गृहणियों को पंजाब सरकार द्वारा 2,000 प्रति माह और आठ (एलपीजी) सिलेंडर मुफ्त दिए जाएंगे। अपने दूसरे वादे की घोषणा करते हुए, सिद्धू ने कहा कि लड़कियों को, चाहे वह गांव की हो या शहरी क्षेत्रों की, पांचवीं कक्षा पास करने के बाद 5,000 रुपये दिए जाएंगे।

उत्तराखंड में केजरीवाल का नया ऐलान

पूर्व फौजियों को मिलेगी सरकारी नौकरी

» शहीद के परिवारों को एक करोड़ रुपए देने की भी घोषणा

» आम आदमी के पक्ष में मतदान करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक एवं दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल सोमवार को देहरादून पहुंचे और चुनावी बिगुल फूंका। उन्होंने देहरादून के परेड ग्राउंड में उत्तराखंड नवनिर्माण के लिए नवपरिवर्तन अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड से सबसे ज्यादा लोग भारत माता की सेवा करने जाते हैं। ये शहीदों, देशभक्तों और वीरों की भूमि है।

उत्तराखंड से कोई भी जवान, चाहे वो फौज से हो, पैरामिलिट्री फोर्स से हो या पुलिस से हो। जो देश सेवा करते हुए शहीद होगा उनके परिवार को हमारी सरकार एक करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता राशि देगी। अरविंद केजरीवाल ने इस दौरान एक और ऐलान किया। उन्होंने कहा कि रिटायरमेंट के बाद जवानों को भटकना नहीं पड़ेगा। अगर उत्तराखंड में आप की सरकार बनती है तो एक्स सर्विसमैन को सीधे उत्तराखंड सरकार में नौकरी दी जाएगी। वह उत्तराखंड नव निर्माण में भागीदार होंगे। दिल्ली की जनता को 24 घंटे मुफ्त बिजली मिलती है, लगभग 35 लाख परिवारों के बिल जीरो आते हैं। उत्तराखंड की जनता को अगर 24 घंटे मुफ्त बिजली चाहिए तो आम आदमी पार्टी को वोट दें। उन्होंने कहा कि यहां के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को एक महीने में 5000 यूनिट मुफ्त बिजली मिलती है, हर मंत्री को महीने की 4000 यूनिट मुफ्त बिजली मिलती है। और मैं जनता को 300 यूनिट मुफ्त बिजली दे दूं तो इनको मिर्ची लग जाती है। दूसरी पार्टी भी अब मुफ्त बिजली की बात कर रही है। यह किसी और के बस की बात नहीं है। यह केवल मैं ही कर सकता हूं।

योगी के चेहरे पर चुनाव लड़ना भाजपा को पड़ सकता है भारी!

» योगी के काम से खुश नहीं ब्राह्मण और पिछड़ी जातियां

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी में चुनावी घमासान शुरू हो चुका है। हालांकि इस बार यूपी का चुनाव धार्मिक कम जातिगत मुद्दों पर सिमट गया है। पिछड़े और दलित जाति के लोग भाजपा की रैलियों में नेताओं का विरोध कर रहे हैं। ब्राह्मण नाराज है। सवाल यह है कि क्या सीएम योगी के चेहरे पर चुनाव लड़कर भाजपा को नुकसान होगा? ऐसे कई सवाल उठे वरिष्ठ पत्रकार शरद गुप्ता, अजय शुक्ला, अशोक वानखेड़े, अभिषेक कुमार, चिंतक सीपी राय और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा के बीच चली लंबी परिचर्चा में।

सीपी राय ने कहा, प्रदेश में मुख्यमंत्री का चेहरा नहीं बदला जाएगा। यह हो सकता है कि बयान आ जाए कि चुनाव के बाद विधायक मंडल दल अपना नेता चुनेगा। पिछली बार किसी का चेहरा नहीं घोषित किया गया है। शरद गुप्ता ने कहा, काशी, मथुरा और अयोध्या के जरिए भाजपा असफलताओं को ढंकने की कोशिश कर रही है। हिंदू-मुसलमान के रास्ते पर भाजपा फिर जा रही है। अगर वे सीएम योगी का चेहरा चेंज करेंगे तो बिना लड़े चुनाव हार जाएंगे। अजय शुक्ला ने कहा, मुख्यमंत्री डरे हुए हैं। भाजपा मोदी के चेहरे को आगे ले जाती हैलेकिन योगी को किनारे नहीं करती है। यूपी सबसे बड़ा राज्य है। हालात बेहद खराब है। हालांकि भाजपा ठाकुरवाद से बचना चाहती है। यही इनके लिए सबसे बड़ी समस्या है और यही इनको ले डूबेगा। यूपी में बदलाव की बात हो रही है।

अशोक वानखेड़े ने कहा, यूपी की सियासत जातियों पर आधारित है। भाजपा जाति की राजनीति नहीं करती वह हिंदुत्व के नाम पर चुनाव लड़ती है। इससे ठाकुर की सरकार आती है। पूरा राज्य बर्बाद हो चुका है। अभिषेक कुमार ने कहा, मोदी और योगी से जनता निराश है। भाजपा को इसका नुकसान उठाना पड़ेगा।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

नेपाल भागने की कोशिश में अमेरिकी नागरिक सहित दो गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

किशनगंज। किशनगंज से सटे पश्चिम बंगाल के भारत-नेपाल सीमा पर तैनात एसएसबी की 41वीं वाहिनी के जवानों ने एक अमेरिकी नागरिक सहित दो लोगों को पकड़ा है। अमेरिकी नागरिक और उसको सीमा पार कराने के सहयोग के दौरान एक भारतीय नागरिक को भी सुरक्षाबलों ने हिरासत में लिया। हिरासत में लिए गए अमेरिकी व्यक्ति का नाम लछुमन कुइकेल जबकि भारतीय नागरिक का नाम शरद राय है जो दार्जिलिंग का निवासी है।

» चोरी-छिपे सीमा पार करने की कोशिश की

एसएसबी सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार सूचना मिली थी कि दो लोग भारत-नेपाल सीमा पर स्थित पीलर संख्या 93/3 से नेपाल क्रॉस करने की फिराक में हैं। इसके बाद सुरक्षा में तैनात जवान जो कि आउट पोस्ट पार्टी पर थे। उन्होंने चोरी-छिपे सीमा पार करने की कोशिश कर रहे लोगों को रोका। लछुमन कुइकेल ने यूएसए का पासपोर्ट, यूएसए का प्रमाण पत्र दिखाया जबकि शरद राय ने भारतीय वोटर कार्ड और आधार कार्ड दिखाया। इसके बाद एसएसबी द्वारा दोनों की तलाशी ली गई। तलाशी के क्रम में उन दोनों के पास से यूएसए का पासपोर्ट, पहचान पत्र के अलावा अमेरिकन मुद्रा 500 डॉलर, कनाडा मुद्रा 5 डॉलर, नेपाली, भूटानी मुद्रा, एटीएम कार्ड, नेपाली सिम, भारतीय आधार कार्ड, वोटर कार्ड आदि बरामद हुआ। एसएसबी की पूछताछ में लछुमन ने बताया कि 10 दिसंबर को वो नेपाल से भारत आया था और अब वो पुन: अवैध रूप से वापस नेपाल जाने की फिराक में था।

बरेली में कांग्रेस की मैराथन में भगदड़, कई छात्राएं घायल

» जूते-चप्पल सड़क पर बिखरे पर बेटियां सुरक्षित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बरेली में आज सुबह कांग्रेस की मैराथन में भगदड़ मच गई। इस दौरान कई छात्राएं दब गईं। बच्चियों के जूते चप्पल भी सड़क पर बिखर गए। उधर कांग्रेस नेता और पूर्व मेयर सुप्रिया ऐरन ने इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए कहा, वैष्णो देवी में जब भगदड़ मच सकती है, तो यहां क्यों नहीं।

उन्होंने कहा बच्चियां हैं और इंसानी फितरत होती है कि दौड़ भाग में अव्वल आना। आगे आने की होड़ में भगदड़ मची, मगर सभी लड़कियां सुरक्षित हैं। कांग्रेस के बढ़ते जनाधार की वजह से इस तरह की साजिश भी की जा सकती है। इस मैराथन के वीडियो भी सामने आए हैं। इनमें देखा जा सकता है कि काफी अधिक संख्या में छात्राएं इस मैराथन में हिस्सा ले रही थीं। तभी दौड़ते वक्त कुछ छात्राएं गिर जाती हैं। इसके बाद उनसे टकराकर के कई छात्राएं उनके ऊपर गिर जाती हैं। इसके बाद आयोजनकर्ता छात्राओं की मदद से बच्चियों को उठाते हैं। बताया जा रहा है कि कुछ छात्राओं को हल्की चोटें भी आई हैं।

प्रियंका चुनाव में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने पर दे रहीं जोर

दरअसल, प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश चुनाव में महिलाओं की हिस्सेदारी बढ़ाने पर जोर दे रही हैं। उन्होंने इस चुनाव में महिलाओं को 40 फीसदी टिकट देने का वादा किया है। इसके अलावा लड़कियों को स्कूटी, मोबाइल समेत तमाम वादे किए हैं। वे राज्य के अलग अलग हिस्सों में महिलाओं तक पहुंचने के लिए तमाम कार्यक्रमों में हिस्सा ले रही हैं।

काशी में 9 जनवरी को होगी दौड़

लड़की हूं लड़ सकती हूं अभियान के तहत वाराणसी में होने वाली कांग्रेस की मैराथन का दिन और स्थान बदल दिया गया है। कांग्रेस के महानगर अध्यक्ष राघवेंद्र चौबे ने बताया कि 6 जनवरी की बजाय अब आगामी 9 जनवरी को मैराथन आयोजित की जाएगी। मैराथन की शुरूआत सुबह 8 बजे सिगरा स्थित भारत माता मंदिर से होगी और यह बीएचयू गेट पर जाकर खत्म होगी। चर्चा है कि मैराथन में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी शामिल हो सकती हैं, लेकिन फिलहाल उनके आगमन के संबंध में अब तक पुष्टि नहीं हो सकी है।

कांग्रेस नेता रीता को मारी गोली, पीएम को दिखाया था काला झंडा

» अस्पताल में चल रहा इलाज, पुलिस मामले को मान रही संदिग्ध

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुल्तानपुर में प्रधानमंत्री मोदी को काला झंडा दिखाकर चर्चा में आईं कांग्रेस नेता रीता यादव को देर शाम बदमाशों ने गोली मार दी थी। अब पुलिस जांच में घटना संदिग्ध पाई गई है। एडिशनल एसपी विपुल श्रीवास्तव ने बताया कि रीता यादव ने कल थाना चांदा में अज्ञात हमलावरों द्वारा गोली मारने मारे जाने की एफआईआर दर्ज कराई थी।

जांच में पाया गया है कि रीता यादव मुस्तकीम नामक ड्राइवर की बोलेरो किराए पर लेकर सुल्तानपुर आईं थीं। यहां से लौटते समय लंभुआ हाईवे के पास इन्हें तीन अज्ञात लोगों द्वारा गोली मारे जाने का दावा किया गया। पीड़िता, उनके ड्राइवर से की गई पूछताछ, घटनास्थल के निरीक्षण और पैर में गोली लगने के स्थान का निरीक्षण करने के बाद घटना प्रथम दृष्टया संदेहास्पद है और गहराई से जांच की जा रही है। जल्द ही घटना का सही अनावरण होगा। रीता यादव सीएचसी लंभुआ में भर्ती है, लेकिन डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर किया है। सीओ सतीश चंद शुक्ला ने मौके पर पहुंचकर जांच पड़ताल की। साथ ही रीता के बयान दर्ज किए हैं। रीता ने 17 दिन पहले कांग्रेस जॉइन किया था। 17 दिसंबर को लखनऊ में प्रियंका गांधी से भी रीता यादव ने मुलाकात की थी।

फोटो : 4पीएम

प्रदर्शन महात्मा गांधी पर अमर्यादित टिप्पणी करने पर गिरफ्तार हुए कालीचरण महाराज को रिहा करने की मांग को लेकर अखिल भारतीय हिंदू महासभा के समर्थकों ने लखनऊ स्थित 1090 चौराहे पर किया प्रदर्शन।

पट्टा भूमि को फ्री होल्ड करने के लिए नई नीति

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पट्टागत (लीज होल्ड) भूमि को फ्री होल्ड करने के लिए राज्य सरकार नए सिरे से नीति तैयार कर रही है। नीति संबंधी सात वर्ष पुराने शासनादेश में दी गई व्यवस्था में बदलाव कर प्रस्ताव तैयार किया गया है।

» देना होगा सर्किल रेट का 25 प्रतिशत

लीज होल्ड भूमि को फ्रीहोल्ड कराने के लिए सर्किल रेट का 25 प्रतिशत तक प्रस्तावित करते हुए सरकार ने उसे अंतिम रूप देने से पहले सुझाव व आपत्ति मांगी है। कोई भी व्यक्ति 15 दिन में लिखित रूप में अपना अभिमत दे सकता है। वर्तमान में पट्टे की भूमि को फ्री होल्ड एवं पुनर्विकास करने के संबंध में राज्य शहरी आवास एवं पर्यावास नीति-2014 के तहत 12 दिसंबर 2014 को तत्कालीन प्रमुख सचिव सदाकान्त की ओर से जारी शासनादेश के तहत ही दर तय है। सात वर्ष पुरानी नीति को व्यावहारिक बनाने के लिए राज्य सरकार उसमें संशोधन करते हुए नए सिरे से प्रस्ताव तैयार किया है।

चोर की दाढ़ी में तिनका : सिद्धार्थनाथ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव के उस बयान पर पलटवार किया है जिसमें उन्होंने कहा है कि छापेमारी में जो लोग पकड़े जा रहे हैं वे बीजेपी लोग हैं। सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा अगर ये बीजेपी के लोग थे, तो अखिलेश यादव को ईडी और आईटी के छापेमारी से परेशानी क्यों हो रही है।

सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा आज अखिलेश यादव की बेचैनी और बयानबाजी से पता चलता है की चोर की दाढ़ी में ही तिनका होता है। प्रयागराज में सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि आईटी और ईडी के छापेमारी से अखिलेश यादव के मुख्यमंत्री वाला घर छोड़ते समय पीछे की दीवार टूटने का राज भी अब पता चला है। पता चलता है की दीवारे जब टूटती हैं तो उनके पीछे कैश और नोटों की गड्डियां मुख्य वजह होती है।

टेनी को बचा रही डबल इंजन की सरकार : अंशू अवस्थी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस के तेजतर्रार प्रदेश प्रवक्ता अंशू अवस्थी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। साथ ही उन्होंने केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय टेनी की बर्खास्तगी की मांग की। अंशू ने एसआईटी के आरोप पत्र का हवाला देते हुए **केंद्रीय गृह राज्य मंत्री अजय कुमार मिश्र टेनी को बर्खास्त करने की मांग की।**

डिजिटल मीडिया इंचार्ज अंशू अवस्थी ने कहा इस राज्य के लोग किसानों के नरसंहार को कभी नहीं भूलेंगे तथा भाजपा सरकार को माफ नहीं करेंगे और आने वाले विधानसभा चुनाव में वे भाजपा सरकार को सबक सिखाएंगे। उन्होंने कहा हत्यारे गृह राज्य मंत्री को बचाने के लिए भाजपा कोई कोर कसर

नहीं छोड़ रही। जबकि लखीमपुर का अन्नदाता सब जानता है कि किसानों पर गाड़ी मंत्री के बेटे आशीष मिश्रा ने अपने पिता के इशारे पर और पद के घमंड में चढ़ाई। सब कुछ सामने है लेकिन मंत्री को बचाया जा रहा है। यह दर्शाता है भाजपा के अंदर नैतिकता नहीं बची है। बीजेपी सरकार के लिए किसानों की कोई कीमत नहीं। मगर वह यह जान लें कि यही अन्नदाता 2022 में सबक सिखाएगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार:** सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार:** संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट:** हसन जैदी, **दूरभाष:** 0522- 4078371 | **Email:** daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- **SSP/LW/NP-495/2018-2020**
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।